

# १. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम

## (१) संस्कृति और कार्यजगत की पहचान

### १.१ कक्षा की सजावट

सजावट के लिए सामान्य सामग्री

(फूलों के हार, फूलों के गुच्छे)

फूल-पत्ते इकट्ठे करेंगे। उनके हार बनाएंगे।  
कक्षा के दरवाजे और खिड़कियों से बांधेंगे।  
फूलों के कुछ गुच्छे बनाएंगे और मेज पर रखेंगे।  
इस प्रकार कक्षा को सजाएंगे।



हारों को बनाने के लिए कौन-से फूल चाहिए ?  
गुलदाउदी, गेंदा, मोगरा, गुलाब, रजनीगंधा,  
तगर जैसे फूलों की मालाएँ बहुत सुंदर लगती  
हैं और पत्ते कौन-से लेने चाहिए? तो तगर,  
अशोक, आम के पेड़ों के पत्ते लेने चाहिए।

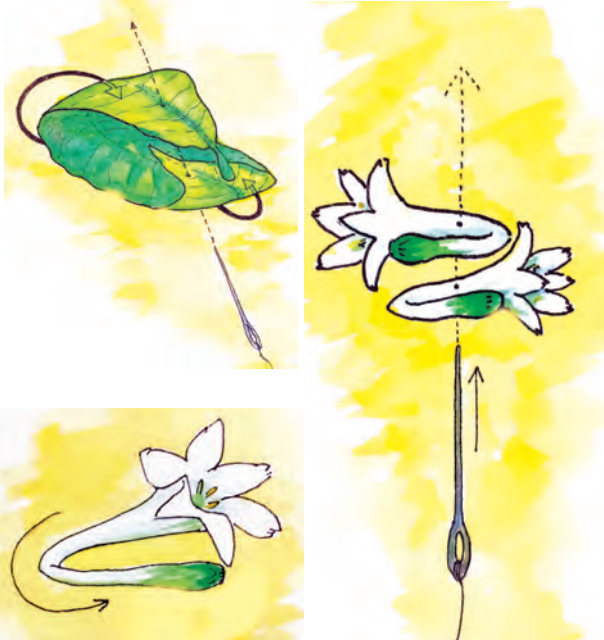
लेकिन एक महत्वपूर्ण वस्तु तो रह गई !

वह कौन-सी है ?

सुई और धागा नहीं लगेगा क्या ? अरे हाँ ! हारों  
को बनाने के लिए धागा और सुई तो चाहिए ही।  
वे ले आएंगे। इसके अलावा टोकरी, रद्दी,  
कागज, गुच्छे बनाने के लिए सीकें और कैंची  
की भी आवश्यकता होगी।

**इस प्रकार हार बनाएंगे :**

१. सुई में लंबा धागा पिरोएंगे।
२. रद्दी (पुराने समाचार पत्र) कागज जमीन पर रखकर उनपर फूल और पत्ते फैलाकर रखेंगे। अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग फूल चुनकर उनकी मालाएँ बनाएंगे।



३. एक विद्यार्थी सुई से धागे में फूल पिरोएगा और दूसरा विद्यार्थी इन फूलों को धीरे-धीरे धागे के छोर तक ले जाएगा। एक अन्य विद्यार्थी उस छोर को पकड़कर जमीन से थोड़ा ऊपर उठाए रखेगा।

४. इस प्रकार फूल और पत्तों के आकार और संरचना के अनुसार मालाएँ बनाएँगे। माला के बीचोंबीच एक बड़ा-सा फूल पिरो देंगे।

**इसे ध्यान में रखो :**

१. मालाएँ बनाते समय हाथ में सुई को चुभने न दें।
२. कार्य होने के पश्चात कागज अथवा धागे के बंडल में सुई खोसकर रख दें।
३. जमीन को छूने से मालाएँ मैली अथवा गंदी न हों; इसका ध्यान रखें।



## मेरी कृति

१. सूखी टहनियाँ, फूल, घास, कागज आदि का उपयोग सजावट कार्य के लिए कैसे करेंगे?
२. फूलों की मंडी में जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करो।



- ◆ आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विद्यार्थियों को उनकी कल्पनाओं के अनुसार कृति करने दें।
- ◆ फूल मंडी के बारे में अधिक जानकारी दें।

## (२) जल साक्षरता

### २.१ घरेलू पानी का किफायती उपयोग करना ।

#### पानी के घरेलू उपयोग

घरेलू कार्यों के लिए पानी का निम्न प्रकार से उपयोग किया जाता है ।



कपड़े धोने और बरतनों की सफाई के लिए



पीने के लिए



हाथ धोने के लिए



रसोई बनाने के लिए



बागबानी करने और पेड़-पौधों के लिए

- ♦ पानी के उपयोग के संबंध में आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें ।
- ♦ पानी का उपयोग कैसे करें और उसको कैसे बचाया जाए; इसपर चर्चा करवाएँ ।

नीचे दिए चित्रों को देखो । सही और गलत कृतियों को पहचानो । सही कृति के आगे (✓) और गलत कृति के आगे (×) चिह्न लगाओ ।

| चित्र                                                                               | सही/<br>गलत | चित्र                                                                                | सही/<br>गलत |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-------------|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
|    |             |    |             |
|   |             |   |             |
|  |             |  |             |

- ◆ पानी के उपयोग को लेकर सही और गलत कृति कौन-सी है यह बताओ ।
- ◆ पानी को किस प्रकार बचाया जा सकता है; इसपर चर्चा करवाएँ । घरेलू पानी का हिसाब रखना सिखाएँ ।

## २.२ खेती और कारखानों में पानी का उपयोग किफायत से करना ।

### (१) खेती के लिए पानी

हमें खेतों से अनाज प्राप्त होता है । खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है । पानी न मिले तो फसलें सूख जाती हैं । वर्षा पर्याप्त होने पर अनाज की उपज अधिक होती है परंतु कभी-कभी तो बरसात बहुत कम होती है । कुछ स्थानों पर तो बरसात होती ही नहीं है ।

ऐसे समय खेती के लिए कुओं, नदियों और तालाबों का पानी उपयोग में लाया जाता है । यह पानी इकट्ठा किया जाता है । इसलिए यह व्यर्थ न जाए; इसका ध्यान रखना चाहिए ।

- फसलों को उतना ही पानी दें जितना उनके लिए आवश्यक है ।
- कम पानीवाली फसलें उगाएँ ।
- फसलों की जड़ों में पानी दें ।
- फौव्वारा सिंचाई, टपक सिंचाई जैसी सिंचाई प्रणालियों का उपयोग करें ।



टपक सिंचाई



फौव्वारा सिंचाई

### मेरी कृति

विद्यालय का बगीचा, घर के पिछवाड़ेवाला बगीचा अथवा गमलों में लगाए हुए पौधों में उनकी आवश्यकतानुसार पानी दो ।

- ♦ जिन खेतों में अधिक पानी दिया जाता है तथा जिन खेतों में आवश्यक उतना ही पानी दिया जाता है : ऐसे दोनों प्रकार के खेतों में जाएँ । दोनों खेतों में पाए जाने वाले अंतर को समझाएँ । ♦ निकट के किसी कारखाने / लघु उद्योग देखने जाएँ और वहाँ होने वाली पानी की आपूर्ति के विषय में विद्यार्थियों को समझाकर बताएँ ।

### (३) आपदा प्रबंधन

प्राकृतिक आपदा (फिल्मों, चित्रों द्वारा आपदाओं की पहचान)

आपदा का अर्थ संकट है।

चित्रवाचन : १



इस चित्र में तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है?

.....

.....

.....

.....

चित्रवाचन : २



इस चित्र में तुम क्या देख रहे हो?

.....

.....

.....

.....

चित्रवाचन : ३



इस चित्र में आग कहाँ लगी है? इसका परिणाम क्या हुआ है?

.....

.....

.....

.....

जंगल में लगी आग को 'दावानल' कहते हैं।

- ♦ वातावरण में होने वाले परिवर्तन के कारण भूकंप, आंधी, बाढ़, दवानल जैसी आपदाएँ आती हैं और बहुत बड़ी हानि उठानी पड़ती है। ऐसी आपदाओं को प्राकृतिक आपदाएँ कहते हैं; यह विद्यार्थियों को समझा दें।